an>

Title: Need to provide funds for Mridang Samrat Nana Saheb Panse Memorial Programme in Damoh Parliamentary Constituency, Madhya Pradesh.

श्री प्रहलाद सिंह पटेल (दमोह) ः देश की सबसे पुरानी संगीत परम्पराओं में दूसरे नम्बर की संगीत परम्परा मृदंग सम्राट नाना साहब पानसे स्मृति कार्यक्रम की 121वीं गुरू परम्परा 2015 मेरे संसदीय क्षेत्र दमोह ग्राम बकायन में संपन्न हो गई। लेकिन देश की पुरातन इस परम्परा को यथा उचित गरिमा मिलनी चाहिए।

दमोह (मध्य प्रदेश) के एक छोटे से गांव बकायन में यह परम्परा अनवरत रूप से चल रही है। एक परिवार का इस परम्परा को जीवित रखने में विशिष्ट योगदान है। समय के साथ मध्य प्रदेश सरकार के संस्कृति मंत्रालय ने कार्यक्रम के लिए कुछ राशि देना प्रारंभ किया है, लेकिन देश एवं देश के बाहर से आने वाले कलाकारों एवं साधकों को रूकने, साज-सज्जा के लिए सौंदर्य कक्ष तथा कार्यक्रम के आयोजन के लिए सामुदायिक भवन तथा स्टेज लाइट तथा साउंड सिस्टम जैसी मूलभूत आवश्यकताओं से यह कार्यक्रम वंचित है। प्रतिवर्ष मिलने वाली यह सहयोग राशि अपर्याप्त है।

अतः भारत सरकार का संस्कृति मंत्रालय इन आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए धन की स्वीकृति प्रदान करें ताकि यह गौरवशाली दीर्घकालीन परम्परा अनवरत चलती रही।